Who can apply?

Any person who wish to start agribusiness in the potential areas of Animal Husbandry can attend this entrepreneurship development programme.

How to apply?

Interested candidates may apply Online by filling up the application form through the link given below. Training Fee of **Rs.7500/-** per participant will be charged. Participants have to pay training fee only through **Bank Transfer.**

Name of Beneficiary– I.C.A.R Unit IVRI Izatnagar
Bank Name – SBI Bank
A/c Number – 10148035293
IFSC Code – SBIN0007027
Branch Name – CARI Branch, Bareilly

Apply online through this link
https://bit.ly/3HFRalh

Note: *Registration Fee will not be refundable.*

- **Working Lunch & Session Tea will be provided**
- **Limited accommodation will be provided on payment basis at IVRI International Guest House (IGH).**
- **IGH: Non-AC room @Rs.300/bed/day**

For more details, visit us on

Website: http://www.ivri.nic.in/
Email-id: abicentreivri@gmail.com

Programme Coordinator

Dr. G.K. Gaur
In-charge, LPM Section
ICAR-IVRI, Izatnagar,
Ph.: 9457366190
Email-id: gyanendrakg@gmail.com

Dr. Bablu Kumar
PI-ABI, PS-Division of Biological Products
ICAR-IVRI, Izatnagar
Ph.: 7906167948
Email-id: babbacteriol@gmail.com

★ ★ ★

For registration and more details, please contact to

Mr. Suresh Kumar
Office Assistant, ABI Centre
ICAR-IVRI, Izatnagar
Ph.: 9634715502

Entrepreneurship Development Programme on

Pig Production

Date: 20th to 24th February, 2023

Organized by

Agri-Business Incubation (ABI) Centre &
Livestock Production and Management Section

Certificate will be Provided

About IVRI

Established in 1889, the ICAR-Indian Veterinary Research Institute (IVRI) is one of the premier research institutions dedicated to livestock research and development of the region. Today, the institute with its deemed to be university status contributes immensely to human resource development in the discipline of veterinary sciences with skills and knowledge necessary for the challenges of the new millennium.

Objectives

- Development of entrepreneurs through intensive pig farming.
- Skill development in the field of pig production.
- Employment generation for literate youth.

Course covers

- Selection & Procurement
- Identification & Record Keeping
- Feeding & Management
- Breeding
- Restraining & First Aid
- Hygiene to prevent and Control Diseases
- Financing, Insurance & Economics of Pig Production

Landly: A Crossbred Pig

This developed variety of pig can be reared in all type of manage mental conditions and can be fed with low cost feed resources with a good growth rate and standard litter size. Therefore, this can be used by the farmers for backyard piggery, small unit piggery (5-20 pigs) farms as well as large commercial units.

Specialties

Landly is specifically characterized by

- High growth rate (480gm/day post wean)
- Less time for marketability (100 kg at 8M)
- Standard litter size at weaning (7-8)
- Two farrowing per year
- Good performance in North India
- Balanced body (neither wrinkle nor excess fat)
- Acceptable to all range of pig farmers

Last date to registration: 16th February, 2023

Apply online through this link
https://bit.ly/3HFRalh

Faculty

- Dr G K Gaur, Principal Scientist
- Dr Mukesh Singh, Principal Scientist
- Dr Rupasi Tiwari, Principal Scientist
- Dr Bablu Kumar, Principal Scientist
- Dr S E Jadhav, Principal Scientist
- Dr Anuj Chauhan, Senior Scientist
- Dr H O Pandey, Senior Scientist
- Dr Dinesh Kumar, Senior Scientist
- Dr U K De, Senior Scientist
- Dr M K Patra, Senior Scientist
- Dr Ayon Tarafdar, Scientist

कौन आवेदन कर सकता है?

कोई भी व्यक्ति जो पशुपालन के संभावित क्षेत्रों में कृषि व्यवसाय शुरू करना चाहता है, वह इस उद्यमिता विकास कार्यक्रम में भाग ले सकता है।

आवेदन कैसे करें?

इच्छुक उम्मीदवार नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण शुल्क **रु. 7500/-** प्रति प्रतिभागी लिया जाएगा। प्रतिभागियों को बैंक ट्रांसफर के माध्यम से प्रशिक्षण शुल्क का भुगतान करना होगा।

खाता धारक	: I.C.A.R Unit IVRI Izatnagar
बैंक नाम	: SBI Bank
खाता संख्या	: 10148035293
शाखा का नाम:	CARI Branch, Bareilly (U.P)
IFSC कोड	: SBIN0007027

इस लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करें

https://bit.ly/3HFRalh

नोट: पंजीकरण शुल्क जमा करने के बाद वापस नहीं किया जाएगा

- कार्यक्रम के दौरान मध्यान्ह भोजन और सत्र चाय प्रदान की जायेगी।
- **आवासः** आईवीआरआई के इंटरनेशनल गेस्ट हाउस (IGH) में भुगतान आधार पर सीमित कमरे उपलब्ध हैं।
- **IGH :** नॉन एसी रूम रु. 300/बेड/दिन

अधिक जानकारी के लिए नीचे दी गयी वेबसाइट पर क्लिक करें

वेबसाइट : http://www.ivri.nic.in
ईमेल : abicentreivri@gmail.com

कार्यक्रम समन्वयक

डॉ जी. के. गौड़
प्रभारी- एलपीएम अनुभाग
भा0कृ0अनु0प0-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर
दूरभाष: 9457366190
ईमेल: gyanendrakg@gmail.com

डॉ बबलू कुमार
पी आई / एग्री बिज़नेस इन्क्यूबेशन केंद्र
भा0कृ0अनु0प0- भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर
दूरभाष: 7906167948
ईमेल: babbacteriol@gmail.com

★ ★ ★

पंजीकरण और अधिक जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें

श्री सुरेश कुमार
कार्यालय सहायक, ऐ.बी.आई. केन्द्र
भाकृअनुप-आईवीआरआई
दूरभाष: **9634715502**

"शूकर पालन"

से उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक: 20-24 फरवरी, 2023

एग्री - बिज़नेस इन्क्यूबेशन (ऐबीआई) केन्द्र एवम्
पशुधन उत्पादन और प्रबंधन अनुभाग
भा0कृ0अनु0प0-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज्जतनगर
द्वारा आयोजित

प्रमाण पत्र प्रदान किये जाएगें

आईवीआरआई के बारे में

1889 में स्थापित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान पशुओ के लिए एक प्रमुख शोध संस्थान हैं। वर्तमान में इस संस्थान को पशुचिकित्सा विज्ञान में एक समतुल्य विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त है। यह संस्थान, पशुचिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास एवं कौशल विकास में इस शताब्दी की चुनौतियों के लिए अग्रणी भूमिका अदा कर रहा है।

उद्देश्य

- सूकर उत्पादन के क्षेत्र मे उद्यमिता विकास
- सूकर उत्पादन के क्षेत्र मे कौशल विकास
- साक्षर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अन्तर्गत

- सूकर प्रजाति
- चयन, खरीद और पहचान
- रिकॉर्ड तैयार करना
- पालन पोषण और प्रबंधन
- प्रजनन, रोग नियंत्रण
- प्राथमिक चिकित्सा, स्वच्छता
- वित्तपोषण, बीमा एवं सूकर पालन का अर्थशास्त्र इत्यादि विषय पर गहन जानकारी प्रदान की जायेगी।

लैंडली: एक संकर प्रजाति सूकर

इस प्रजाति के विकसित विविध प्रकार के सूकरो को सभी प्रकार की स्थितियो मे पाला जा सकता है। इन्हे कम खाद्य लागत के संसाधनो के साथ खिलाया जा सकता है। इनकी वृद्धि भी अच्छी रहती है और इनके बच्चो का आकार भी सामान्य रहता है। इसलिए इनका उपयोग घर के पिछवाडे सूकर पालन उद्योग की छोटी इकाईयॉ जिसमे लगभग 5-20 सूकरों तथा साथ ही साथ बडी वाणिज्यिक इकाईयो के रूप मे भी किया जा सकता है।

लैंडली की विशेषताये निम्न प्रकार हैं

- उच्च वृद्वि दर (480 ग्राम प्रतिदिन दूध छोडनें के बाद)
- कम समय मे बेचने के लिए योग्य (100 किग्रा०-8 माह में)
- दूध छोडने के समय पर सूकरो की संख्या (7-8)
- एक साल में दो बार बच्चे देना
- उत्तर भारत मे अच्छा प्रदर्शन
- संतुलित शरीर (न झुर्रियां न ज्यादा वसा)
- समस्त प्रकार के सूकर पालको को स्वीकार्य

पंजीकरण की अंतिम तिथि: 16 फरवरी, 2023

इस लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करें
https://bit.ly/3HFRalh

वैज्ञानिक / संकाय

- डा0 जी0 के0 गौड़, प्रधान वैज्ञानिक
- डा0 मुकेश सिंह, प्रधान वैज्ञानिक
- डा0 रूपसी तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक
- डा0 बबलू कुमार, प्रधान वैज्ञानिक
- डा0 एस0 ई0 जाधव, प्रधान वैज्ञानिक
- डा0 अनुज चौहान, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- डा0 एच0 ओ0 पाण्डे, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- डा0 दिनेश कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- डा0 यू0के0 डे0, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- डा0 एम0 के0 पात्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- डा0 आयोन तरफ़दार, वैज्ञानिक